श्री गणनाथ स्तोत्रं

श्री गणनाथ स्तोत्रं

गर्भ उवाच |
नमस्ते गणनाथाय ब्रह्मणे ब्रह्मरूपिणे |
अनाथानां प्रणाथाय विघ्नेशाय नमो नमः ||1||

ज्येष्ठराजाय देवाय देवदेवेशमूर्तये |
अनादये परेशाय चादिपूज्याय ते नमः ||2||

सर्वपूज्याय सर्वेषां सर्वरूपाय ते नमः |
सर्वादये परब्रह्मन् सर्वेशाय नमो नमः ||3||

गजाकारस्वरूपाय गजाकारमयाय ते |
गजमस्तकधाराय गजेशाय नमो नमः ||4||

आदिमध्यांतभावाय स्वानंदपतये नमः |
आदिमध्यांतहीनाय त्वादिमध्यांतगाय ते ||5||

सिद्धिबुद्धिप्रदात्रे च सिद्धिबुद्धिविहारिणे |
सिद्धिबुद्धिमयायैव ब्रह्मेशाय नमो नमः ||6||

शिवाय शक्तये चैव विष्णवे भानुरूपिणे |
मायिनां मायया नाथ मोहदाय नमो नमः ||7||

किं स्तौमि त्वां गणाधीश यत्र वेदादयोऽपरे |
योगिनः शांतिमापन्ना अतस्त्वां प्रणमाम्यहं ||8||

रक्ष मां गर्भदुःखात्त्वं त्वामेव शरणागतं |
जन्ममृत्युविहीनं वै कुरुष्व ते पदप्रियं ||9||

इति श्रीमन्मुद्गले महापुराणे नवम खंडे श्री गणनाथ स्तोत्रं||